समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

हमले के बाद पूर्व मुस्लिम सलीम वास्टिक का पहला बयान : 'भारत मे मुंसलमानों को गरिमा के साथ जीने का अधिकार चाहिए'

Sanket Morankar Published on 02 Apr 2026

हाल ही में हुए हमले के बाद पूर्व मुस्लिम (Ex-Muslim) सलीम वास्टिक का पहला बयान सामने आया है, जिसने देशभर में नई बहस को जन्म दे दिया है। हमले के बाद सार्वजनिक रूप से सामने आए सलीम वास्टिक ने कहा कि भारत में हर नागरिक को, खासकर मुसलमानों को, गरिमा और सम्मान के साथ जीने का अधिकार मिलना चाहिए। उनके इस बयान ने न केवल सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मुद्दे को उठाया है, बल्कि समाज में सहिष्णुता और आपसी विश्वास पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

सलीम वास्टिक, जो पहले इस्लाम धर्म से जुड़े थे और बाद में उन्होंने खुद को "एक्स मुस्लिम" घोषित किया, पिछले कुछ समय से अपने विचारों को लेकर चर्चा में रहे हैं। सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर अपने विचार खुलकर रखने के कारण वे कई बार विवादों में भी आए। हाल ही में उन पर हुए हमले ने इस पूरे मुद्दे को और अधिक संवेदनशील बना दिया है।

हमले के बाद दिए गए अपने बयान में सलीम वास्टिक ने कहा, "मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि इस देश के हर मुसलमान के लिए गरिमा चाहता हूं। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां हर व्यक्ति को अपनी पहचान और विचारों के साथ जीने का अधिकार है।" उन्होंने आगे कहा कि किसी भी व्यक्ति पर केवल उसके विचारों या धार्मिक पहचान के आधार पर हमला करना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

उन्होंने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि समाज में संवाद और सहिष्णुता की कमी बढ़ती जा रही है। "हमारे समाज को यह समझना होगा कि असहमति का मतलब दुश्मनी नहीं होता। अगर कोई व्यक्ति अलग सोच रखता है, तो उसे हिंसा के जरिए चुप कराने की कोशिश नहीं होनी चाहिए," उन्होंने कहा।

इस मामले के सामने आने के बाद कई सामाजिक संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। अगर लोग

अपने विचार खुलकर नहीं रख पाएंगे, तो यह लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी हो सकती है।

हालांकि, इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ लोग सलीम वास्टिक के बयान का समर्थन कर रहे हैं और इसे समाज में सुधार की दिशा में एक कदम मान रहे हैं, जबकि कुछ लोग उनके विचारों की आलोचना भी कर रहे हैं। इस तरह की विभाजित प्रतिक्रियाएं यह दिखाती हैं कि यह मुद्दा कितना जटिल और संवेदनशील है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की घटनाएं समाज में बढ़ती असहिष्णुता का संकेत हो सकती हैं। उनका कहना है कि सरकार और समाज दोनों को मिलकर ऐसा माहौल बनाना चाहिए, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित महसूस करे और अपने विचारों को बिना डर के व्यक्त कर सके।

इस बीच, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा एजेंसियां भी इस मामले को गंभीरता से ले रही हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

सलीम वास्टिक ने अपने बयान में यह भी कहा कि वे डरने वाले नहीं हैं और अपने विचारों को आगे भी रखते रहेंगे। “डर के कारण अगर हम चुप हो जाएंगे, तो गलत सोच को बढ़ावा मिलेगा। हमें मिलकर एक ऐसा समाज बनाना है, जहां हर व्यक्ति को सम्मान और सुरक्षा मिले,” उन्होंने कहा।

यह घटना एक बार फिर इस बात की याद दिलाती है कि समाज में विविधता और विचारों की स्वतंत्रता को बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है। भारत जैसे बहु-धार्मिक और बहु-सांस्कृतिक देश में यह और भी जरूरी हो जाता है कि लोग एक-दूसरे के विचारों और मान्यताओं का सम्मान करें।

अंत में, यह कहना गलत नहीं होगा कि सलीम वास्टिक का यह बयान केवल एक व्यक्ति की प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज के लिए एक संदेश है—कि हमें एक ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां हर कोई बिना डर के जी सके और अपनी बात कह सके।

सरकार, समाज और नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और देश में शांति, सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया जा सके।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.